RNI NO Title Code-UPHIN49594

हिन्दी दैनिक

नवयुग समाचार

बहराइच से प्रकाशित

एक सामाजिक दर्पण

वर्ष-3 अंक-320
बहराइच,रविवार
05 जनवरी 2025
पृष्ठ-4 मूल्य 2.00

लखनऊ, उन्नाव, हरदोई, कानपुर, कन्नौज, फरुर्खाबाद, गोरखपुर, अंबेडकरनगर, म.प्र., बिहार में प्रसारित

सेना का ट्रक खाई में गिरने से 04 जवान शहीद, 2 गंभीर रूप से घायल

श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में शनिवार दोपहर हुए एक बड़े सड़क हादसे में सेना के 04 जवान शहीद हो गए। भारतीय सेना का एक ट्रक सड़क से फिसलकर खाई में जा गिरा, जिसमें 04 जवान शहीद हो गए, जबकि 02 जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

यह हादसा बांदीपोरा जिले के एसके पायीन इलाके में हुआ। अधिकारियों के अनुसार, खराब मौसम और कम विजिबिलिटी के कारण ट्रक सड़क से फिसलकर खाई में गिर गया। घटना के समय ट्रक में कुल छह जवान सवार थे। सेना ने हादसे पर बयान जारी करते हुए कहा है, कि यह घटना अत्याधिक खराब मौसम और कम दृश्यता के कारण घटित हुई है। भारतीय सेना ने शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। सेना के अधिकारियों ने बताया कि हादसे की विस्तृत जांच की जा रही है। इसके साथ ही घायलों का बेहतर इलाज किया जा रहा है। इस हादसे से पूरे क्षेत्र में शोक व्याप्त है।

उपराज्यपाल ने जताया शोक

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। एलजी ने कहा, कि भारतीय सेना के बहादुर जवानों की शहादत पर गहरा दुख है। राष्ट्र उनके बलिदान और सेवा को हमेशा याद रखेगा।

पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट रसायनों को मिलाने की प्रक्रिया के दौरान हुआ

विरुधुनगर

तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में एक पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट हुआ, जिसमें छह मजदूरों की मौत हो गई थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि विस्फोट रसायनों को मिलाने की प्रक्रिया के दौरान हुआ था। अधिकारियों के मुताबिक विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि एक कमरा पूरी तरह से ध्वस्त हो गया, जिससे कई मजदूर उसके मलबे में दब गए थे। घटना के बाद फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची और बचाव कार्य किया था। मृतकों की पहचान अभी तक उजागर नहीं हो सकी है, लेकिन सभी मजदूर स्थानीय बताए जा रहे हैं। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया है और कुछ की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है।

पटाखा बनाने वाली इस फैक्ट्री में सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं। अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है और यह कदम उठाए जा रहे हैं कि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए विशेषज्ञों की टीम बनाई गई है। शुरूआती जांच के मुताबिक 2 जनवरी को विस्फोट उस वक्त हुआ जब मजदूर रसायनों को मिलाने का काम कर रहे थे। इस प्रकार के विस्फोटों में अक्सर सुरक्षा नियमों का पालन न होने की वजह से हादसे होते हैं और यही कारण माना जा रहा है। हालांकि, विस्फोट की असल वजह का अभी तक पता नहीं चल सका है।

तीन दिनों का परीक्षण हुआ सफलः अब 180 की तेज गति से दौड़ेगी वंदे भारत

नई दिल्ली

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन ने पिछले तीन दिनों में अपने कई परीक्षणों में 180 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम गति प्राप्त की है। जनवरी के अंत तक यह परीक्षण जारी रहेंगे। उसके बाद देश भर के रेल यात्रियों को लंबी दूरी की यात्रा के लिए यह विश्व-स्तरीय यात्रा उपलब्ध कराई जाएगी। कोटा डिवीजन में सफल परीक्षण का एक वीडियो साझा करते हुए, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक्स पर अपनी पोस्ट में इसकी गति का उल्लेख किया।

वीडियो में वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के अंदर एक मोबाइल के बगल में पानी से भरा गिलास दिखाया गया है। पानी का स्तर स्थिर देखा जा सकता है। आशय ये है कि चलती ट्रेन 180 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम और स्थिर गति प्राप्त करती है।

हाई-स्पीड रेल यात्रा में वंदे भारत यात्रियों को आराम का अनुभव कराती है। यह पोस्ट 3 दिनों के सफल परीक्षणों के बाद आया है, जो 2 जनवरी को समाप्त हुआ, जिसमें वंदे भारत स्लीपर ट्रेन ने अपनी भरी हुई स्थिति में अधिकतम गति प्राप्त की। वंदे भारत ट्रेनें अब कई शताब्दी ट्रेन मार्गों पर उपलब्ध हैं। वंदे भारत एक्सप्रेस भारत की सबसे तेज ट्रेन है और 180 किमी/घंटा तक की गति तक पहुंचने में सक्षम है।

अब तक, यह दिल्ली और वाराणसी जैसे छोटे और मध्यम दूरी के प्रमुख शहरों को जोड़ती है

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे से अलका लांबा ने की मुलाकात, आतिशी के खिलाफ लड़ेंगी चुनाव

नई दिल्ली,

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने एक और उम्मीदवार की सूची जारी की है, जिसमें अलका लांबा को दिल्ली की मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी की उम्मीदवार आतिशी के खिलाफ चुनावी मैदान में उतारा गया है। इसी सिलसिले में अलका लांबा पार्टी अध्यक्ष खड़गे से आशीर्वाद लेने उनके कार्यालय पहुंचीं हैं। गौरतलब है कि कांग्रेस ने अलका लांबा को कालकाजी विधानसभा सीट से पार्टी का टिकट दिया है। अलका लांबा ने साल 2025 के पहले दिन कालकाजी मंदिर में दर्शन किए थे, जिसके बाद सोशल मीडिया पर यह चर्चा शुरू हो गई थी कि वह कालकाजी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ सकती हैं। कांग्रेस ने इन चचाओं को सच साबित करते हुए उन्हें इस सीट से प्रत्याशी घोषित कर दिया है। अब वह मौजूदा विधायक और सीएम आतिशी के खिलाफ चुनावी मुकाबले में होंगी। इस बीच अलका लांबा कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे से मुलाकात कर उनसे आशीर्वाद लिया है। यह कदम कांग्रेस की दिल्ली विधानसभा चुनाव की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है,

पीएम मोदी ने ग्रामीण भारत महोत्सव का किया उद्घाटन और कहा- 2014 से गांव के लोगों की सेवा में लगा हूं

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में ग्रामीण भारत महोत्सव 2025 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामीण भारत के विकास और समृद्धि के लिए सरकार के प्रयासों को रेखांकित किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ग्रामीण भारत महोत्सव को भारत की विकास यात्रा का प्रतीक बताया और कहा कि वे 2014 से गांव के लोगों की सेवा के प्रति समर्पित हैं। महोत्सव का विषय विकसित भारत 2047 के लिए एक समावेशी ग्रामीण भारत का निर्माण है। इसका उद्देश्य ग्रामीण भारत की उद्यमशीलता की भावना और सांस्कृतिक विरासत का उत्सव मनाना और उसे प्रोत्साहन देना है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन से पहले सभी को 2025 की शुभकामनाएं दीं और कहा कि ग्रामीण भारत महोत्सव का यह भव्य आयोजन भारत की विकास यात्रा और पहचान का प्रतीक है। नाबार्ड और अन्य सहयोगियों को इस आयोजन के लिए बधाई देता हूं। लाखों गांवों के हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य पूरा किया जा रहा है। डेढ़ लाख से अधिक आयुष्मान आरोग्य केंद्र ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। टेलीमेडिसिन प्लेटफॉर्म ई-संजीवनी के माध्यम से करोड़ों ग्रामीणों ने डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया है।प्रधानमंत्री मोदी ने उल्लेख किया कि कोविड-19 महामारी के दौरान गांवों में वैक्सीन वितरण का कार्य सफलतापूर्वक किया गया। भारत ने हर गांव तक टीकाकरण सुनिश्चित कर दुनिया को चौंका दिया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए समावेशी आर्थिक नीतियां बनाई गई हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को एक और वर्ष के लिए बढ़ा दिया गया है।यह महोत्सव ग्रामीण भारत में नवाचार, सांस्कृतिक संरक्षण, और आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा देने का मंच बनेगा। इसके माध्यम से सरकार और ग्रामीण उद्यमियों के बीच सहयोग बढ़ेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सरकार गांवों की जरूरतों को प्राथमिकता देते हुए समावेशी नीतियों पर काम कर रही है। उन्होंने इस महोत्सव को ग्रामीण भारत की क्षमता का उत्सव बताया और कहा कि इस पहल से भारत के गांवों को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में नई ऊर्जा मिलेगी।

पोखरण परमाणु परीक्षण में अहम रोल, देश के पूर्व प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. राजगोपाल चिदंबरम का 88 साल में हुआ निधन

मुंबई

पोखरण परमाणु परिक्षण में अहम भूमिका निभाने वाले देश के पूर्व प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. राजगोपाल चिदंबरम का 88 साल की उम्र में निधन हुआ है। चिदंबरम ने शनिवार सुबह तीन बजकर 20 मिनट पर मुंबई के जसलोक अस्पताल में अंतिम सांस ली। चिदंबरम का जन्म 11 नवंबर, 1936 को चेन्नई में हुआ था। उन्हें भारत के परमाणु हथियार कार्यक्रम में अहम भूमिका के लिए जाना जाता है। उन्होंने पोखरण-वन (1975) और पोखरण-टू (1998) के परमाणु परिक्षणों में अहम भूमिका निभाई थी। चिदंबरम चेन्नई के प्रेसीडेंसी कॉलेज और बेंगलुरु स्थित भारतीय विज्ञान संस्थान के पूर्व छात्र थे। चिदंबरम ने भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक

सलाहकार (2001-2018), भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के निदेशक (1990-1993), परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष और भारत सरकार के सचिव, डीएई (1993-2000) सहित कई प्रतिष्ठित पदों पर सेवाएं दीं। आर चिदंबरम को साल 1975 और साल 1999 में पद्म श्री और पद्म विभूषण से सम्मानित किया था। पोखरण परमाणु परीक्षणों के मुख्य वास्तुकार ने 1974 में बॉम्बे से पोखरण तक प्लूटोनियम ले जाने वाले सैन्य ट्रक में यात्रा की। इंडिया राइजिंग मेमोयर ऑफ ए साइंटिस्ट में उन्होंने इसका खुलासा किया कि यह कार्यक्रम 1974 और 1998 के बीच गुप्त रखा गया था। चिदंबरम ने भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) के निदेशक, परमाणु ऊर्जा आयोग (एईसी) के अध्यक्ष और परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के सचिव के तौर पर काम किया है। इसके अलावा वह अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष भी रहे थे।

वहीं आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने वैज्ञानिक आर चिदंबरम के निधन पर दुःख जताया। उन्होंने भावुक पोस्ट शेयर कर लिखा, भारत के परमाणु ऊर्जा आयोग का नेतृत्व करने वाले और हथियारों के विकास में अहम भूमिका निभाने वाले प्रख्यात परमाणु वैज्ञानिक चिदंबरम के निधन की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। देश द्वारा किए गए दो परमाणु परीक्षणों में चिदंबरम की भूमिका यादगार थी। मैं उनके परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं और उनके प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। चिदंबरम ने भारत में सुपर कंप्यूटर के स्वदेशी विकास की पहल करने तथा राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क की संकल्पना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस नेटवर्क ने देश भर के अनुसंधान और शैक्षणिक संस्थानों को जोड़ा। राष्ट्र के विकास में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल के प्रबल समर्थक चिदंबरम ने ग्रामीण प्रौद्योगिकी कार्य समूह और ह्यसोसाइटी फॉर इलेक्ट्रॉनिक ट्रांजेक्शन एंड सिक्योरिटीह्ल जैसे कार्यक्रम स्थापित किए तथा भारत के वैज्ञानिक प्रयासों में ह्यह्यसुसंगत तालमेलह्ल्ल पर जोर दिया।

डीई ने दी श्रद्धांजलिः चिदंबरम को 1975 में पद्म श्री और 1999 में पद्म विभूषण सहित कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। उन्हें कई विश्वविद्यालयों से मानद डॉक्टरेट की उपाधि मिली थी और वह प्रतिष्ठित भारतीय एवं अंतरराष्ट्रीय विज्ञान अकादमियों के शोधार्थी थे। डीएई के सचिव अजीत कुमार मोहंती ने चिदंबरम के निधन को एक अपूरणीय क्षति बताया। उन्होंने कहा, डॉ. चिदंबरम विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी थे, जिनके योगदान ने भारत की परमाणु क्षमता और रणनीतिक आत्मनिर्भरता को बढ़ाया।

संपादकीय

साइबर क्राइम का शिकंजा

देश में साइबर अपराधों में लगातार आ रही तेजी सरकार और आम जनता की चिंता का सबब बनी हुई है। हालांकि सरकार के नियामक संगठन और खुफिया एजेंसियां लगातार सक्रिय हैं लेकिन अपराधी अपराध के नये-नये तौर-तरीकों से अपने खतरनाक मंसूबों को अंजाम देने में लगे हैं। यद्यपि, यह संकट विश्वव्यापी है, लेकिन देश में डिजिटलीकरण के प्रयासों के बाद इन अपराधों में तेजी आई है। इंडियन साइबर क्राइम को-ऑर्डिनेशन सेंटर के इस माह के शुरुआत में आए आंकड़ों में बताया गया कि इस साल सितंबर तक देश में साइबर धोखाधड़ी से 11,333 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। चौंकाने वाली बात यह है कि इस दौरान स्टॉक ट्रेडिंग घोटालों में सर्वाधिक सवा दो लाख शिकायतें आईं और करीब साढ़े चार हजार करोड़ का नुकसान बताया गया। यह बताता है कि देश में साइबर अपराध का जाल कितना दायरा बढ़ा चुका है। उल्लेखनीय है कि गृह मंत्रालय की साइबर अपराधों पर नजर रखने वाली एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार देश में नवंबर तक साइबर धोखाधड़ी की बारह लाख शिकायतें आईं, जिनमें से 45 फीसदी मामलों को म्यांमार, लाओस व कंबोडिया आदि से अंजाम दिया गया। इस तरह ऑनलाइन वित्तीय सेवाओं में साइबर सेंधमारी का मकड़जाल लगातार उपभोक्ताओं की मुसीबतों का सबब बन रहा है। मोबाइल स्पाइवेयर भी एक बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं, जो उपभोक्ताओं की आवश्यक गुप्त रूप से जानकारियां चुरा लेते हैं। जिसके सहारे वित्तीय फ्रॉड को अंजाम दिया जाता है।

हाल के दिनों में साइबर अपराधों में नया तरीका डिजिटल अरेस्ट जुड़ गया है, जिसके जरिये देश की वित्तीय नियामक एजेंसियों व पुलिस के नाम पर लोगों से करोड़ों रुपये वसूले जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि साइबर हमलों के अलावा ऑनलाइन फ्रॉड और सेक्सटॉर्शन के मामले भी सामने आ रहे हैं। साथ ही डाटा चोरी, रैनसमवेयर, ऑनलाइन घृणा फैलाने, साइबर बुलिंग तथा नागरिक सेवाओं व अस्पतालों पर हमलों के मामले सामने आते रहते हैं।

इसमें शत्रु देशों की तरफ से देश की अर्थव्यवस्था व आंतरिक सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने की कोशिश भी शामिल होती है। विडंबना यह है कि देश में साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये अलग से कड़ा कानून नहीं है। दूसरी ओर आईटी एक्ट में संशोधन कर लाए गए प्रावधान इन साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने में पूरी तरह से कामयाब नहीं हो पा रहे हैं। साइबर अपराधों पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिये केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए साइबर को-ऑर्डिनेशन सेंटर को और अधिक प्रभावशाली बनाये जाने की जरूरत है, जिसने पिछले दिनों दक्षिण पूर्व एशिया से सक्रिय साइबर अपराधियों पर अंकुश लगाने की दिशा में पहल की थी। निस्संदेह, इस संकट के मुकाबले के लिये जहां सरकारों को सख्त कानून बनाने की जरूरत है, वहीं नागरिकों को इन अपराधों से बचने के लिये जागरूक करने की जरूरत है। जिसमें केंद्र व राज्य स्तर पर साइबर नियंत्रक पुलिस बल की आवश्यकता भी महसूस की जा रही है।

(चिंतन-मनन)

भगवान का अचिंत्य ऐश्वर्य

भगवान भौतिक जगत के पालन व विनाश के लिए प्रत्यक्ष रूप से उत्तरदायी नहीं हैं। हम एटलस (एक यूनान देवता) को कंधों पर पृथ्वी उठाये देखते हैं। यह अत्यन्त थका लगता है और इस विशाल पृथ्वीलोक को धारण किये रहता है। हमें किसी ऐसे चित्र को मन में नहीं लाना चाहिए, जिसमें कृष्ण इस सृजित ब्रह्मांड को धारण किये हों। उनका कहना है कि यद्यपि सारी वस्तुएं उन पर टिकी हैं, सारे लोक अंतरिक्ष में तैर रहे हैं और यह अंतरिक्ष परमेश्वर की शक्ति है किन्तु वे अंतरिक्ष से पृथक स्थित हैं। भगवान कहते हैं, यद्यपि सब रचित पदार्थ मेरी अचिन्त्य शक्ति पर टिके हैं, किन्तु भगवान रूप में मैं उनसे पृथक रहता हूं। यह भगवान का अचिन्त्य ऐश्वर्य है।

वैदिक कोश निरुक्ति में कहा गया है- परमेश्वर शक्ति का प्रदर्शन करते हुए अचिन्त्य आश्चर्यजनक लीलाएं कर रहे हैं। उनका व्यक्तित्व विभिन्न शक्तियों से पूर्ण है और संकल्प स्वयं एक तथ्य है। भगवान को इसी रूप में समझना चाहिए। हम कोई काम करना चाहते हैं, तो अनेक विघ्न आते हैं और कभी कभी जो चाहते हैं वह नहीं कर पाते। किन्तु जब कृष्ण कोई कार्य करना चाहते हैं, तो सब इतनी पूर्णता से सम्पन्न हो जाता है कि कोई सोच नहीं पाता कि यह सब कैसे हुआ!

2025 की बारी-विश्व गुरु बनने की तैयारी-अद्भुत रही वर्ष 2024 से यारी

-सनमुखदास भावनानी गोंदिया-

वैश्विक स्तर पर दुनियां का हर देश का आगाज़ वर्ष 2025 को सैल्यूट करने के लिए बेसब्री से इंतजार रहता के वह नया वर्ष उनके लिए खुशियों का बेशुमार तोहफा लेकर आए। वैश्विक स्तर पर वर्ष 2024 को विदा होने में अभी कुछ पल शेष हैं, परंतु मेरा मानना है कि हमें समझ लेना है कि भारत में सफलताओं के झंडे गाड़ने वाले वर्ष 2024 सभी साथ मिलकर शुक्रिया अदा करें। हमें इतना आश्चर्य व्यक्त प्रदान किया कि सभी क्षेत्रों में सफलताओं के ऐसे झंडे गाड़े कि विश्व की निगाहें भारत की ओर मुड़ गई कि आखिर इतनी भारी सफलताओं का राज क्या है?क्योंकि न केवल 142.8 करोड़ विशाल जनसांख्यिकीय तंत्र का कुशल नेतृत्व नागरिकशास्त्रीय, सामाजिक सांस्कृतिक नेतृत्व के गुणों की सुगंध को सारी दुनियां की नजरों में ले चालक वैश्विक मंचों पर विशिष्टी आकार आविष्कार अधिक प्रतिष्ठा और मान सम्मान पाया। विश्व की नजरें 2024 में भारत के प्रति बदल गई। वैश्विक नेताओं के भारत के प्रति सोची लेकिनेक्स बदल गए। हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर आयोजित विभिन्न कॉन्फ्रेंस में राष्ट्रध्यक्षों की नजरें भारतीय पीएम को ढूंढने लगीं। हालांकि हमें वर्ष 2024 का शुक्रिया अदा करना होगा क्योंकि अगर हम साल 2024 के पन्नों को पलट कर देखेंगे, तो इस साल में हमने कई उपलब्धियां हासिल की हैं, जिसने देश का न सिर्फ मान बढ़ाया बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अलग पहचान दी है। अब आने वाले नए वर्ष 2025 वर्ष के लिए अभी से ही हर देशवासी को सफलताओं का सर्वोच्च ईतिहास रचने का ऐसा रोडमैप बनाएं और क्रियान्वयन करें ताकि हमारा विश्व गुरु बनने का सपना साकार करने में कुछेक केवल दिखें कि इंडिया जो कहता है वह करके दिखाता है। साथियों बात अगर हम नए साल 2025 के स्वागत के साथउम्मीदों की करें तो, नया साल एक बार फिर भविष्य की नई उम्मीदें लेकर आ रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था को भी साल 2025 से काफी उम्मीदें हैं और उद्योग एवं आंतरिक संवर्द्धन विभाग की मानें तो आगला साल भारत के लिए विदेशी निवेश के मोर्चे पर वरदान साबित होने वाला है। डीपीआईआईटी का कहना है कि वैश्विक अनिश्चितताओं और चुनौतियों के बावजूद भारत में 2024 में जनवरी से अब तक औसतन मासिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 4.5 अरब डॉलर से अधिक रहा है। पीएम मोदी सरकार ने देश में निवेशक अनुकूल उपायों को बढ़ावा देने से 2025 में भी यह रुझान बरकरार रहने की उम्मीद है (1) तकनीकी प्रगति और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यह 2024 की तरह 2025 भी तकनीकी तौर पर दुनिया को बदलकर रख देने वाले बदलावों का साक्षी होगा, जिस तरह 2024 में एआई ने दुनिया को अचरज में डाला, नया साल भी नए बदलावों से एक बार फिर हैरान करेगा. खासकर हेल्थकेयर फाइनेंस उद्योग क्षेत्र में कारगर सिद्ध होगा। (2)जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय स्थिरता 2020 के दशक को जलवायु एक्शन के लिए निर्णायक दशक माना जाता है सस्टेनेबल फ्यूचर की दिशा में ये जरूरी कदम उठाने का एक महत्वपूर्ण समय है। हरित ऊर्जा क्रांति की बात करें, तो जैसे जैसे जलवायु परिवर्तन तेज होता जाएगा, नवीकरणीय ऊर्जा में वैश्विक निवेश बढ़ता रहेगा2025 में इससे अनेक उम्मीदें हैं।

(3) भू राजनीतिक बदलाव उम्मीद की जा रही है कि साल 2025 में दुनिया के चार बड़े नेता, यानी ट्रंप, पुतिन, शी जिनपिंग और नरेन्द्र मोदी एक बार फिर से भू राजनीति की दिशा तय करेंगे। 2025 में दुनिया के सबसे शक्तिशाली लोकतंत्र, यानी अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रंप का दूसरा कार्यकाल शुरू होगा (1) इस कार्यकाल में ट्रंप घरेलू स्तर पर एक ऐसा माहौल बनाने की कोशिश करेंगे, जिसमें विकास पर जोर होगा और नई नौकरियों के सृजन पर फोकस किया जाएगा. साथ ही, मजबूत अर्थव्यवस्था के निर्माण पर फोकस होगा, इसके अलावा उम्मीद की जा रही है कि ट्रंप दुनिया के अलग अलग हिस्सों में छिड़े युद्ध को खत्म करने की दिशा में भी पहल करेंगे। (2) रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, रूस के राष्ट्रपति के रूप में अपना 20 वां साल पूरा कर रहे हैं, 2025 में पुतिन अपने सैन्य विस्तार की मुहिम जारी रखेंगे। (3) दुनिया की सबसे बड़ी तानाशाही सरकार और विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, यानी चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की बात करें, तो इनके नेतृत्व में देखा गया है कि वैश्विक स्तर पर भू राजनीति और व्यापार के क्षेत्र में चीन का आक्रामक रुख रहा है। लेकिन 2025 में लगता है कि ये इकतरफा नजरिया रखने वाले अपने इस रवैये में कमी लाएंगे और घरेलू अर्थव्यवस्था और देश के भीतर पैदा हो रहे असंतोष से निकलने पर ध्यान केंद्रित करेंगे (4)वैश्विक अर्थव्यवस्था महंगाई और आर्थिक सुधार की बात करें तो वैश्विक अर्थव्यवस्था को महंगाई के दबाव का सामना करना पड़ सकता है, खासकर जब देश महामारी के विलंबित प्रभावों से उबर रहे हों। अनुमान लगाया गया है कि साल 2025 से 2026 तक एशिया की उभरतीअर्थव्यवस्थाएं वैश्विक आर्थिक विकास में प्रमुख योगदानकर्ता बनी रहेंगी और वैश्विक व्यापार में चीन की हिस्सेदारी और अर्थव्यवस्थाओं की इकोनॉमी 2024 में 2.8 फीसदी बढ़ेगी, और 2025 में 2.7 फीसदी और 2026 में 2.7 फीसदी बढ़ेगी (5) भारत की बात करें, तो क्रिसिल की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.5प्रतिशत से 7 प्रतिशत के बीच रह सकती है. फ़िलहाल आर्थिक गतिविधियों और सरकारी सुधार नीतियों में अनुमान लगाया गया है। साथियों बात अगर हम विज़न 2047 में वर्ष 2025 के महत्वपूर्ण योगदान की उम्मीद की करें तो, सरकार ने भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए सकल घरेलू उत्पाद में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की हिस्सेदारी को मौजूदा 17 फीसदी से बढ़ाकर 25 फीसदी तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। इस सपने को पूरा करने के लिए नीति आयोग ने विज़न 2047 भी पेश किया है। इसके तहत अर्थव्यवस्था को 3.36 ट्रिलियन डॉलर के मौजूदा स्तर से 9 गुना वृद्धि का लक्ष्य है। ऐसे में प्रति व्यक्ति आय को सालाना 2,392 डॉलर के स्तर से 8 गुना बढ़ाना का भी लक्ष्य है। इससे 2047तक 30ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था वाले भारत में 18 हजार डॉलर की प्रति व्यक्ति सालाना आय होगी।

नव वर्ष 2025 पर संकल्प व लक्ष्य निर्धारित करें

-नरेन्द्र भारती-

नव वर्ष 2025 में नए संकल्प व लक्ष्य निर्धारित करने होंगे। नए साल में संकल्प लेने होंगे कि आने वाला जीवन सुखमय रहे। भविष्य सुरक्षित रहे। नया साल सबके लिए सुखमय हो और समृद्धि लेकर आए। सपनों को साकार करें। गलतियों को सुधारें। नई ऊर्जा के साथ रातों को सफल बनाएं। जो बीत गया उसे भूल जाएं अब नए काम को अंजाम देना होगा। नव वर्ष 2025 का आगाज हो चुका है। साल 2024 बीत चुका है। 2024 में प्रकृति ने अपना रौद्र रूप दिखाकर मानव से दानव बनते जा रहे इंसान को चेतावनी दे दी है कि अभी भी संभलने का समय है। अगर अब भी गलतियां नहीं सुधारी तो अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहें। कुदरत का कैसा फरमान, विनाश में चैन ढूंढता इंसान?आज कुदरत के कानून के आगे मानव बेबस हो गया है। प्राणदायी प्रकृति ने इंसान को आईना दिखा दिया है। प्रकृति की चेतावनी को संवेदनहीन व अज्ञानता में डूबा मानव दरकिनार कर रहा है। मगर प्रकृति ने आंखे तो खोल मानव की आंखें खोल दी हैं। मानव से दानव बन चुके स्वार्थी मानव को संयम व सबक सिखा दिया है। जीवन ठहर गया है। प्रकृति एक ऐसी देवी है जो भेदभाव नहीं करती प्रकृति के बिना मानव प्रगति नहीं कर सकता, प्रत्येक मानव को बराबर धूप व हवा व पानी दे रही है। मानव कृतघ्न बनता जा रहा है। मानव ने स्वार्थों की पूर्ति के लिए प्रकृति को नुकसान किया है। अब प्रकृति ने अपना बदला ले लिया है। रुतबों की इमारत हिला दी है। मानव का अहम चिकनाचूर कर दिया है। महत्वाकांक्षियों में जी रहे मानव आज प्रकृति के आगे नतमस्तक हो चुके हैं। अतीत में की गए गुनाहों का पश्चाताप कर रहे हैं। प्रकृति ने मानव को सम्पूर्ण पर अगाह किया मगर इंसान की दुनिया के चाल में फंसा मानव खुद को प्रकृति से बड़ा माने लगा था उसे यह आभास नहीं था कि प्रकृति सबसे बड़ी गुरु है। प्रकृति ने बहुत कुछ सहा है चारों तरफ गंदगी है वातावरण अशुद्ध हो गया है। वातावरण कि शुद्धि के लिए प्रकृति बेबस हो गई और मायूस हो चुके इंसान का गुरूर तोड़ कर रख दिया है। अनजाने में हुई भूल को माफ किया जा सकता है मगर जानबूझकर की गई गलतियों की सजा प्रकृति ने मानव को दे दी है। मानव को जीवन और मौत की परिभाषा सिखा दी है। यह कुदरत का कहर है। कुदरत ने बता दिया कि मानव को पाप और पुण्य का अंतर समझा दिया है। प्रकृति का एक संदेश है बता चुके व अहंकारी इंसान के लिए जो कुदरत से खिलवाड़ करता था। लॉकडाउन प्रकृति के लिए वरदान बन गया था और मानव के लिए अभिशाप बन गया था। मानव ने प्रकृति के दामन को मैला करने की कुल्हाड़ी चलाके अपने पैरों पर खुद ही कुल्हाड़ी मारी है। प्रकृति को अपने खिलाफ होने का निमंत्रण दिया है। किए की सजा को भुगतना ही पड़ेगा। आज हवा में प्रदूषण नहीं है वातावरण शुद्ध हो गया था। पंछियों व जंगली जानवरों के झुंड शहरों में अठखेलियाँ कर रहे थे क्योंकि आज मानव पिंजरे में कैद हो गया है। खुली हवाओं में सांस ले रहे हैं। आसमान साफ है रात को तारे टिमटिमाते दिख रहे हैं। बर्फ के पहाड़ दिख रहे हैं। नदियों, झरने और तालाबों का पानी साफ हो चुका था निडर होकर जंगल के राजा शेर व अन्य हाथी, हिरन व भालू सड़कों पर आराम कर रहे थे लॉकडाउन में कल कारखाने व रेलों के हार्न बंद हो चुके थे। गाड़ियों के हिसाब से प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों के पहिए थम गए थे प्रकृति क्या नहीं कर सकती व दिखाती है। मानव ने उसे गोदियों में मानने की नापाक कोशिशें की है मगर प्रकृति ने रौद्र रूप दिखाया तो मानव एक चारदीवारी में कैद हो गया था और अपने भाग्य को कोस रहा था एक मिनट फुर्सत न करने वाला मानव आज चुपचाप प्रकृति की मार झेल रहा था। वैसे ही पैसे के लिए भागदौड़ करने वाला व व्यस्त रहने वाला इंसान चारदीवारी में आराम से कैद गया था। प्रकृति आज खुश थी कि उसे जख्म देने वाला पिंजरे में है, जख्म लगाने वाले को आइना दिखा रहा है, कुछ रहा है मगर अभी समय लगेगा। आज मानव स्वार्थों की पूर्ति के कारण अंधा होता जा रहा है। पाप का अत्याचार हो रहा है। मानवीय मूल्यों का पतन होता जा रहा है। मानव आज वैरी बन गया है। प्रकृति के जख्म नासूर बन चुके हैं। जख्म रिसते जा रहे हैं। जहां जहां पाश्चात्य है पाश्चों के घाव साक्षात् प्रकृति के शरीर पर दिख रहे हैं। इसके लिए मानव ही जिम्मेवार है। प्रकृति का सीना छलनी करने वाले अभी कुदरत तुम्हें खून के आंसू रुलाएगी। जल जल का हिसाब मांगेगी। कर्ज खुद साफ कर देगी। चंद सिक्कों व कागज के टुकड़ों की चाहत में नदियों में खनन किया जा रहा है। जीव जन्तुओं को मारा जा रहा है। पहाड़ों को काटकर आशियाने व बहुमंजिला इमारतें बना रहा है। हजारों जन्तु मरे जा रहे हैं। प्रकृति के आगे आज मानव के कर्मों का घड़ा भरता जा रहा है। अब कुदरत खुद ही फैसला करेगी। ऐसे मौसम होता है क्या चल जाएगा कि दूसरे को जख्म देना कितना आसान होता है जब खुद आदमी के जख्मों पर नमक छिड़कने आ जाते हैं। मानव भी प्रकृति से छेड़छाड़ करने से बाज नहीं आते जब प्रकृति अपना बदला लेती है तो तहसनहस कर देती है। बरबादी कर देती है। पल भर में मिट्टी में मिला देती है। विकास उल्टा देती है जो कुदरत के विरुद्ध चलता है। सबक सिखा देती है कि अभी भी समय है संभल जा मानव नहीं तो मौत के भीख मांगने के लिए मजबूर कर देगी। इन्सान पशु से भी बदतर होता जा रहा है। क्योंकि यदि पशु को एक जगह खूंटे से बांध दिया जाए, तो वह अपने आप को उसी अवस्था में ढाल लेता है। आधुनिक मानव परिस्थितियों के मुताबिक गिरगिट की तरह रंग बदलता है। देश में कभी भूकंप, कभी सुनामी, कभी प्राकृतिक आपदाएं अपना जलवा दिखाती हैं तो कभी बाढ़ का रौद्र रूप विभीषिका लेकर आता है। लाखों लोग मारे जाते हैं। उन लोगों को ऐसा अपना सम्पूर्ण पर भीषण त्रासदियां होती रहती हैं मगर हम आपदाओं से कोई सबक नहीं सीखते। हर त्रासदी के बाद जख्म पर चर्चा होती है मगर कुछ दिनों बाद जब जीवन पटरी पर चलने लग जाता है तो इन बातों को भुला दिया जाता है। अगर बीती त्रासदियों से सबक सीखा जाए तो आने वाले भविष्य को सुरक्षित कर लिया जा सकता है। कहते हैं कि प्राकृतिक आपदाओं को रोक तो नहीं सकते परन्तु अपने विवेक व ज्ञान से अपने आप को सुरक्षित कर सकते हैं। मगर हादसों व आपदाओं से न तो लोग सबक सीखते हैं। मानव आज लापरवाही से जंगलों को बेदर्दी से काट रहा है वे आग लगा रहा है उस आग में हजारों जीव जन्तु जलकर राख हो रहे हैं। जंगली जानवर शहरों की ओर भाग रहे हैं, जबकि कहावत मशहूर है कि शहरों व आबादी वाले इलाके में कभी नहीं आते थे, मगर जब मानव ने जानवरों का भोजन खत्म कर दिया। जीव जन्तुओं को खाना खत्म तो जंगली जानवर भूख मिटाने के लिए आबादी का ही रुख करेंगे। नरभक्षी बनेंगे। आज प्रकृति से छेड़छाड़ हो रही है। नदियों को प्रदूषित किया जा रहा है। प्रकृति के पास हर चीज का लेखा जोखा है। कुदरत की जब लाठी चलती है तो वह घास व पानी को मैला कर रहा देती है। यह अटल सत्य है। कुदरत की लाठी जब पड़ती है तो उसकी आवाज नहीं होती। प्रकृति इस धरा को अनमोल खजाना सौंपता है। प्रकृति के नियमों के खिलाफ जाने की जिसने भी हिम्मत की वह औंधे मुंह गिरा है। प्रकृति ने मानव को उसकी औकात से रूबरू करवा दिया है कि सिर्फ स्वार्थों तक ही उसकी सोच सीमित होकर रह गई है। प्रकृति की उपेक्षा करना छोड़ देनी चाहिए यही प्रकृति के प्रकोप से बचने का एकमात्र सूत्र है। अगर अब भी समझ नहीं आई तो प्रकृति धूल चटा देगी और दर दर भटकने पर मजबूर कर देगी। मानव आज भगवान बनने की कोशिश कर रहा है। प्रकृति के नियमों को बदला जा रहा है खुद के नियम निर्धारित कर रहा है

सिंहावलोकन 2024 : खेल जगत के लिए ऐतिहासिक और प्रेरणादायक रहा 2024

-योगेश कुमार गोयल-

2024 का वर्ष खेल जगत के लिए कई मायनों में ऐतिहासिक, रोमांचक और प्रेरणादायक रहा। यह वर्ष न केवल नई उपलब्धियों और नए रिकॉर्ड का गवाह बना बल्कि नई युवा खिलाड़ियों के उदय के अलावा खेल में नई तकनीकों के समावेश का मार्ग भी प्रशस्त हुआ। खेल संस्कृति में बदलाव और तकनीकी उन्नति के कारण खेलों के अनुभव को नई ऊंचाइयां मिली। वर्ष 2024 भारतीय खेलों में क्रिकेट, ओलंपिक, पैरालंपिक, शतरंज ओलंपियाड और विश्व चैंपियनशिप में सफलता के लिए याद किया जाएगा। भारतीय एथलीटों ने इस वर्ष विभिन्न अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। बैडमिंटन और टेबल टेनिस जैसे खेलों में भी भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। क्रिकेट से लेकर टेनिस, हॉकी, शतरंज के अलावा भारत ने पेरिस ओलंपिक और पैरालंपिक में भी अपना लोहा मनवाया। भारत का इन खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन रहा, जिससे समस्त देशवासी गौरवान्वित हुए। भारत में आयोजित एशियाई खेल और विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप ने वैश्विक स्तर पर भारत को एक प्रभावशाली खेल मेजबान के रूप में स्थापित किया। एक क्रिकेट विश्व कप, 6 ओलंपिक पदक, 29 पैरालंपिक पदक और दो शतरंज विश्व चैंपियनशिप सहित 2024 ने भारतीय खेल प्रशंसकों को जश्न मनाने के कई ऐसे अवसर प्रदान किए, जिससे खेलों की दुनिया में भारत का भविष्य उज्ज्वल नजर आता है।

2024 में खेलों में तकनीकी उन्नति ने निर्णायक भूमिका निभाई। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और वर्चुअल रियलिटी ने खिलाड़ियों के प्रशिक्षण और प्रदर्शन विश्लेषण को नई दिशा प्रदान की। इसके अलावा दर्शकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए एआर (ऑगमेंटेड रियलिटी) तकनीक का उपयोग किया गया। विश्वनाथन आनंद के बाद इस वर्ष शतरंज के नए चैंपियन दुनिया के सामने आए और शतरंज ने खेल प्रेमियों को जश्न मनाने का भरपूर मौका दिया। हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में 45वें चेस ओलंपियाड का आयोजन हुआ था, जिसमें पुरुष वर्ग में 195 देशों की 197 टीमों और महिला वर्ग में 181 देशों की 183 टीमों ने हिस्सा लिया था। भारत की पुरुष और महिला दोनों ही टीमों ने शिखर में इस ओलंपियाड में पहली बार स्वर्ण पदक जीते, वहीं डी गुकेश और कोनेरू हम्पी ने शिखर में विश्व खिताब के साथ नई ऊंचाईयों को छुआ। 12 दिसंबर को सिंगापुर में आयोजित विश्व शतरंज चैंपियनशिप में गुकेश ने महज 18 वर्ष की आयु में पिछली बार के शतरंज चैंपियन चीन के डिंग लिरेन को हराकर सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बनकर नया इतिहास रचा। वह विश्वनाथन आनंद के बाद वैश्विक खिताब जीतने वाले दूसरे भारतीय बने, वहीं 37 वर्षीय हम्पी ने 28 दिसंबर को अपने करियर में दूसरी बार महिलाओं का रैपिड विश्व खिताब जीता।

पिछले साल भारत वनडे विश्व कप 2023 का खिताब जीतने से चूक गया था लेकिन इस वर्ष आईसीसी ट्रॉफी जीतने का 11 वर्ष का सूखा समाप्त करने में भारत सफल हुआ। आखिरी बार महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई में भारत ने 2013 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम की थी। रोहित शर्मा की कप्तानी में 30 जून 2024 को भारतीय टीम ने बारबाडोस में दक्षिण अफ्रीका को मात देकर टी20 विश्व कप का खिताब जीता। इसी प्रकार भारतीय हॉकी टीम ने पांचवीं बार एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता। भारत की ओर से जुगराज सिंह ने गोल दागा था, जिसकी बदौलत भारतीय टीम ने चीन को 1-0 से मात देते हुए यह खिताब अपने नाम किया। टेनिस में रोहन बोपन्ना ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 में इटली के सिमोन बोलेली और वावासोरी को मात देकर मैंस डबल्स का खिताब जीता और ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सबसे उम्रदराज पुरुष खिलाड़ी बने। उन्होंने 43 वर्ष की उम्र में यह खिताब अपने नाम किया।

जहां तक ओलंपिक और पैरालंपिक में भारत के प्रदर्शन की बात है तो पूरी उम्मीद थी कि भारत इस वर्ष पेरिस में ओलंपिक में नया इतिहास लिखेगा लेकिन 206 देशों के बीच भारत 71वें स्थान पर रहा और भारत का अभियान 1 रजत और 5 कांस्य सहित कुल 6 पदकों के साथ समाप्त हो गया जबकि टोक्यो ओलंपिक में 1 स्वर्ण, 2 रजत और 4 कांस्य सहित 7 पदक जीतने में सफल हुआ था। महिला पहलवान विनेश फोगाट का 100 ग्राम वजन अधिक होने का मामला भारत की पदक उम्मीदों पर सबसे ज्यादा भारी पड़ा था क्योंकि उनके स्वर्ण पदक जीतने की उम्मीदें लगभग पक्की हो चुकी थी। पेरिस ओलंपिक में भारत पहले ही टोक्यो ओलंपिक के रिकॉर्ड को नहीं तोड़ सका लेकिन पुरुष हॉकी टीम का लगातार दूसरी बार पदक जीतना भारत के बेहद महत्वपूर्ण रहा। निशानेबाज मनु भाकर ने तो एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतकर सनसनी मचा दी। वह एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट बनीं। टोक्यो ओलंपिक के गोल्डन ब्वॉय नीरज चोपड़ा से स्वर्ण पदक जीतने की सबसे ज्यादा उम्मीदें थी लेकिन वह रजत पदक ही हासिल कर सके। उनके अलावा शूटिंग में सरबजोत सिंह, स्वप्निल कुसाले, कुश्ती में अमन सहरावत और पुरुष हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक में पदक जीते।

पेरिस ओलंपिक के बाद पैरालंपिक खेलों का महाकुंभ तो भारत के लिए अविस्मरणीय बन गया। इस बार पहली बार हमारे पैरा खिलाड़ी कीर्तिमानों, उपलब्धियों और पदकों का अभूतपूर्व अंबार लगाने में सफल हुए। दिव्यांग होने के बावजूद उन्होंने दिव्यता के साथ जो सफलताएं अर्जित की, वह तमाम लोगों के लिए मिसाल बनीं। पेरिस पैरालंपिक में भारत ने 7 स्वर्ण, 9 रजत और 13 कांस्य पदक सहित कुल 29 पदक जीते और पदक तालिका में भारत 18वें स्थान पर रहा। इससे पहले टोक्यो पैरालंपिक में 2020 में भारत ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 5 स्वर्ण सहित कुल 19 पदक हासिल किए थे। पेरिस में 17वें पैरालंपिक में 22 खेलों की कुल 549 प्रतिस्पर्धाओं में दुनियाभर से 4463 दिव्यांग खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था जबकि भारत के पैरा खिलाड़ियों ने इनमें से केवल 12 खेलों के 84 मुकाबलों में भाग लिया था और 29 पदक जीतकर अब तक का सबसे शानदार प्रदर्शन करते हुए साबित कर दिखाया कि वे दिव्यांग, आधे अधूरे और अशक्त भले ही हैं लेकिन उनके भीतर हौंसलों की कोई कमी नहीं है। पेरिस पैरालंपिक खेलों में अवनी लेखरा, सुमित अंतिल, मरियप्पन थंगावेलु, शीतल देवी, नितेश कुमार, प्रवीण कुमार, नवदीप सिंह, हरविंदर सिंह, धरमबीर जैसे पैरा खिलाड़ी अपने शानदार प्रदर्शन के कारण नए नायक बनकर उभरे।

पेरिस ओलंपिक में भारत के पदकों की संख्या बेशक कम रही लेकिन शूटिंग, कुश्ती, हॉकी के अलावा कई अन्य खेलों में भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन को देखते हुए भविष्य में खेलों की दशा और दिशा सुधरने की उम्मीदें बलवती हुई हैं। मनु भाकर ने ओलंपिक में दो पदक जीतकर भारत की बेटियों को खेलों के प्रति आकर्षित होने का बेहतरीन अवसर प्रदान किया है। ओलंपिक में मनु की सफलता देश की आधी आबादी के लिए बहुत प्रेरणादायी है और अब जरूरत है कि ऐसे सुअवसरों का लाभ उठाकर देशभर में विभिन्न खेलों में ऐसा माहौल बनाया जाए ताकि प्रतिभाशाली लड़कियां आगे आएं और आने वाले समय में तमाम अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में महिलाओं का डंका भी बजता दिखाई दे। कुल मिलाकर, 2024 का साल खेलों के प्रति भारत और विश्व के दृष्टिकोण को बदलने वाला साबित हुआ। यह साल न केवल अनेक उपलब्धियों से भरा रहा बल्कि इसने भविष्य के लिए नई प्रेरणाएं और दृष्टिकोण भी प्रस्तुत किए। खेल जगत को इस वर्ष से जो ऊर्जा और उत्साह मिला, वह आने वाले वर्षों में और भी ऊंचाईयां छूने में सहायक होगा। हालांकि भारत को खेल महाशक्ति बनने से पहले अभी काफी कुछ करने की जरूरत है।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

एक नजर

बिल्हौर विधानसभा अध्यक्ष विनय यादव ने सावित्रीबाई फुले जी की जन्म जयंती मनाई

सुजीत कश्यप/नवयुग समाचार

बिल्हौरः विधानसभा क्षेत्र के शिवराजपुर नगर पंचायत में सपा बिल्हौर, विधानसभा अध्यक्ष विनय यादव ने सावित्रीबाई फुले जी की जन्म जयंती मनाई। सपा नेता विनय यादव ने कहा कि सावित्रीबाई फुले 19वीं सदी में महिला शिक्षा, लिंग समानता व सामाजिक सुधार में अपने अप्रतिम योगदान के लिए जानी जाती हैं। सामाजिक परिवर्तन के लिए उनका समर्पण व साहस हमें प्रेरणा देता है। सावित्रीबाई फुले इतिहास के पन्नों में एक चमकता हुआ नाम है। वह एक असाधारण महिला थीं जिन्होंने अपना जीवन भारत में महिलाओं और दबे-कुचले समुदायों के अधिकारों के लिए संघर्ष करते हुए बिताया। कई चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, सावित्रीबाई जी में ज्ञान की प्यास थी जिसने उन्हें शिक्षा हासिल करने के लिए प्रेरित किया। सावित्रीबाई फुले न केवल महिलाओं की शिक्षा की हिमायती थीं, बल्कि दलित और हाशिए पर रहने वाले समुदायों की भी प्रबल समर्थक थीं। सामाजिक सुधार के प्रति उनके समर्पण के कारण गर्भवती बलात्कार पीड़ितों के लिए एक आश्रय गृह की स्थापना हुई और एक अनाथालय की नींव रखी गई। उन्होंने निचली जातियों और अछूतों के सामने आने वाले अन्याय को पहचाना और उनके उत्थान के लिए अथक प्रयास किए।सावित्रीबाई एक कुशल लेखिका भी थीं और उन्होंने सामाजिक परिवर्तन की वकालत करने के लिए अपनी कलम का इस्तेमाल किया। उनके लेखन ने समाज के लिए एक चेतावनी का काम किया, जिससे उसे अपने पूर्वाग्रहों और भेदभावों का सामना करने का आग्रह किया गया। उन्होंने शक्तिशाली कविताएं और लेख लिखे जो महिलाओं की दुर्दशा और उत्पीड़ित लोगों द्वारा झेले जाने वाले अन्याय को उजागर करते थे। वर्ष 1848 में सावित्रीबाई और उनके पति ज्योतिराव फुले ने पुणे में लड़कियों के लिए पहला स्कूल शुरू किया था। यह एक क्रांतिकारी कदम था, क्योंकि उस समय लड़कियों की शिक्षा को अक्सर नजरअंदाज था। इन चुनौतियों के बावजूद, उनका समर्पण अटूट रहा। उनका दृढ़ विश्वास था कि शिक्षा सशक्तिकरण की कुंजी है और हर लड़की को सीखने का अवसर मिलना चाहिए। लड़कियों की शिक्षा में अपने काम के लिए सावित्रीबाई को बहुत विरोध और दुश्मनी का सामना करना पड़ा। उन्हें और उनके छात्रों को अक्सर अपमान और यहां तक कि शारीरिक हमलों का सामना करना पड़ता था।

यह जयंती का पर्व उनके सामाजिक योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के साथ ही उनसे प्रेरणा लेकर सामाजिक योगदान करने को भी लक्षित करता है।

इस दौरान मुख्य रूप से विनय यादव, संतोष कुशवाहा, राजोल यादव, जीतू सैनी सभासद, अरुण यादव सभासद, इंद्रलेश यादव, सुनील यादव, रज्जन पाल, राजा दुबे, जय राम सिंह, कल्लू यादव, मोनू सैनी आदि लोग उपस्थित रहे।

बार एसोसिएशन बांगरमऊ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने ली पद की शपथ

मोहम्मद इरफान खान/नवयुग समाचार

उन्नावः बांगरमऊ तहसील सभागार में बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। इस मौके पर बार और बेंच के बीच सामंजस्य बनाकर काम करने की बात कही। मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष शकुन सिंह, विशिष्ट अतिथि विधायक श्रीकांत कटियार को अंग वस्त्र भेटकर अधिवक्ताओं ने स्वागत किया। विधायक श्री कटियार ने अधिवक्ताओं के लिए बैठक सभागार बनाए जाने की घोषणा की। तहसील सभागार में उन्नाव बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सतीश शुक्ला ने अध्यक्ष श्रीकान्त द्विवेदी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राकेश चौरसिया, सहायक उपाध्यक्ष सुरेद्र बाबू, महामंत्री गिरीश अग्निहोत्री, संयुक्त मंत्री शादाब खान, कोषाध्यक्ष आदित्य तिवारी को शपथ दिलाई गई। इसके साथ ही सहायक उपाध्यक्ष प्रभात मिश्रा, संयुक्त मंत्री शुभम शुक्ला, गवर्निंग काउंसिल शिवकुमार कुशवाहा, आयुष शुक्ला को कर्तव्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। शपथ के बाद नई कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को मंत्री अरविन्द दीक्षित ने प्रमाण पत्र दिए। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष बेटे सनी सिंह, रणजय प्रताप (मोनू सिंह), रामकिशोर मिश्रा, संदीप बाजपेई, सत्यनारायण कनौजिया, निवर्तमान अध्यक्ष सुभाष शुक्ला, मुज्जमिल अहमद, महमूद आलम, सुरभ श्रीवास्तव, शादाब खान, विपुल बाजपेई, कमलाकांत तिवारी, प्रतीक कटियार, रामभरोसे वर्मा आदि मौजूद रहे।

किला मजदूर यूनियन ने जन्म दिन पर फेडरेशन नेताओं का फूल-मालाओं से किया अभिवादन।

नवयुग समाचार

कानपुर। शनिवार 4 जनवरी का दिन आयुध उपस्कर निमार्णी फूलबाग कानपुर की किला मजदूर यूनियन के लिए खास रहा। 4 जनवरी को यूनियन के फेडरेशन राष्ट्रीय सुरक्षा कर्मचारी महासंघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एच.एन.तिवारी का 77वा और सचिव सिद्धनाथ तिवारी का 61वा जन्म दिन था। दोनों वरिष्ठ नेताओं के जन्म दिन पर किला मजदूर यूनियन ने कटहरी बाग कानपुर कैंट स्थित फेडरेशन कार्यालय में दोनों नेताओं को फूल-मालाओं से हार्दिक अभिवादन करते हुए जन्म दिन की शुभकामनाएं प्रेषित की और सदैव स्वस्थ, लंबी आयु के साथ उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान यूनियन के महामंत्री समीर बाजपेई ने कहा कि श्री एच.एन. तिवारी उम्र के इस पड़ाव पर भी कर्मचारियों और मजदूरों की आवाज बुलंद करने में कहीं से पीछे नहीं हैं। उन्होंने मजदूरों की समस्याओं को लेकर कानपुर से लेकर दिल्ली तक संघर्ष किया। अभी विगत सितंबर माह में आयुध उपस्कर निमार्णी के बाहर आयोजित किला मजदूर यूनियन के धरने में उन्होंने भागीदारी करते हुए भ्रष्टाचार पर करारा प्रहार किया और मजदूरों की आवाज को बुलंद किया। उनका फेडरेशन और मजदूरों के लिए योगदान बहुत प्रसंशनीय है। इसके साथ ही महामंत्री समीर बाजपेई ने फेडरेशन के सचिव और कानपुर इंटक के अध्यक्ष सिद्धनाथ तिवारी की निडर बेबाक कार्यशैली,मजदूरों के प्रति समर्पण भाव और जिम्मेदारी का पूरी ईमानदारी से निर्वहन करने को लेकर और निमार्णी में कार्यरत रहने के दौरान कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर संघर्ष करने को लेकर उनकी तारीफ करी। इस अवसर पर मुख्य रूप से यूनियन के अध्यक्ष महेंद्र नाथ,उपाध्यक्ष अनिल कुमार,नरेश तिवारी,एल. पी.सी. मेंबर नीरज सिंह,ब्रजेश तिवारी, कोषाध्यक्ष मोहित शुक्ला, संयुक्त मंत्री राजकुमार गौतम, प्रचार मंत्री विजय पाल, संजय गुप्ता, चन्द्रशेखर,मिथिलेश प्रसाद, मोहम्मद अजीम,रोहित तिवारी,राकेश द्विवेदी, अरविंद राठौर,शैलेन्द्र द्विवेदी, सुधीर सिंह,मोहम्मद सलीम, संजय स्टिंग आदि रहे।

बीजेपी का 'कमल' या केजरीवाल का विजय रथ दिल्ली में कौन होगा जीत का हकदार

अजय कुमार,लखनऊ

नवयुग समाचार

दिल्ली का सियासी दंगल सज गया है। बस चुनाव की तारीख की घोषणा होना बाकी रह गया है।इस बार भी इंडिया गठबंधन का हिस्सा होने के बाद भी कांग्रेस और आम आदमी पार्टी अलग-अलग चुनाव लड़ रहे हैं।वहीं बीजेपी भी पूरे दमखम से मैदान में डटी है तो पीछे यूपी में मजबूत पकड़ रखने वाली समाजवादी पार्टी और बसपा भी नहीं हैं।दिल्ली विधानसभा चुनाव में जहां आम आदमी पार्टी के सामने अपनी 11 साल पुरानी सरकार को बचाये रखने की चुनौती है तो बीजेपी कम बैक करना चाहती है। मगर वह बिना सेनापति यानी मुख्यमंत्री के चेहरे के मैदान में ताल ठोक रही है,इसका उसे कितना फायदा या नुकसान होगा यह नतीजे आने के बाद पता चलेगा। वहीं कभी दिल्ली पर दबदबा बनाने रखने वाली कांग्रेस चुनाव के मैदान में तो हैं लेकिन सत्ता में उसकी वापसी हो,इसके लिये उसके पास शीला दीक्षित जैसा कोई चेहरा नजर नहीं नजर आ रहा हैं

गौरतलब हो ,केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली में विधानसभा बहाल होने के बाद 1993 में पहली बार विधानसभा चुनाव हुए थे. उसके बाद से राजधानी में सात बार विधानसभा चुनाव हुए हैं। बीजेपी महज एक बार साल 1993 में ही जीत दर्ज करने में कामयाब रही थी। 1998 में उसके हाथों से सत्ता गई तो फिर वापसी नहीं हुई। ऐसे में सवाल उठता है कि दिल्ली का दिल बीजेपी क्यों नहीं जीत पाती है और 2025 में क्या सियासी ग्रहण को दूर कर पाएगी। बीजेपी पिछले 26 साल से दिल्ली में सत्ता का वनवास झेल रही है. 15 साल तक शीला दीक्षित की अगुवाई में कांग्रेस के सामने खड़ी नहीं हो सकी. थी तो उसके बाद अरविंद केजरीवाल की चुनौती से बीजेपी कभी पार नहीं पा पाई। शीला दीक्षित के बाद से 11 साल से आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल के आगे बीजेपी लीडरशिप पस्त नजर आई है।

अब नव वर्ष के आगाज के साथ ही फिर से दिल्ली विधानसभा चुनाव की सियासी तपिश बढ़ गई है। बीजेपी 2025 में होने वाले विधानसभा में हर हाल में दिल्ली में कमल खिलाना चाहती है, जिसके लिए पूरी ताकत झोंक रखी है. इसके बाद भी बीजेपी के लिए दिल्ली के सत्ता की राह आसान नहीं है. मोदी-शाह की जोड़ी 2014 लोकसभा चुनाव के बाद से बीजेपी के लिए जीत हासिल करने की गारंटी बन गई थी. ऐसे में देखते ही देखते देश के एक के बाद एक राज्यों में बीजेपी अपनी जीत का परचम फहराती रही. उत्तर से दक्षिण और पश्चिम से पूर्वोत्तर राज्यों तक बीजेपी की जीत का डंका बजने लगा. बीजेपी की जीत का श्रेय नरेंद्र मोदी और अमित शाह की जोड़ी को दिया गया लेकिन केंद्र सरकार के नाक के नीचे दिल्ली में 2015 और 2020 में दो बार चुनाव हुए. इन दोनों ही चुनावों में मोदी-शाह की जोड़ी केजरीवाल के सामने अपना असर नहीं दिखा सकी. इसके पीछे सबसे बड़ी वजह क्या है, जिसके चलते बीजेपी दिल्ली की जंग फतह नहीं पा रही?

दिल्ली के सियासी मिजाज को बीजेपी समझ नहीं पा रही है. देश के दूसरे राज्यों के फॉर्मूले पर दिल्ली के विधानसभा चुनाव नहीं जीता जा सकता है. दिल्ली जाति और धर्म की सियासत को कभी तवज्जो नहीं नहीं देती है. इसके अलावा दिल्ली के लोग नकारात्मक चुनाव प्रचार को अहमियत नहीं देते, क्योंकि दिल्ली में एक बड़ा तबका कारोबारियों का है. दिल्ली में तीन तरह के चुनाव होते हैं और तीनों में वोटिंग पैटर्न अलग-अलग हैं. लोकसभा चुनाव में दिल्ली की पसंद बीजेपी रही तो विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी. पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के दौर में भी ऐसा ही था, जब विधानसभा में कांग्रेस को कामयाबी मिली थी तो लोकसभा में बीजेपी को. एमसीडी चुनाव में पहले बीजेपी का कब्जा रहा, लेकिन अब आम आदमी पार्टी का है.

दिल्ली के चुनाव में पार्टी से ज्यादा नेता का व्यक्तित्व मायने रखता है. साल 1993 में बीजेपी ने मदन लाल खुरना को आगे कर सत्ता हासिल की थी, लेकिन सिर्फ पांच साल के दौरान बीजेपी को तीन बार सीएम बदलना पड़ा. नतीजा यह हुआ कि दिल्ली की जनता के बीच बीजेपी की तरफ से गलत राजनीतिक संदेश गया और इसका खामियाजा उसे 1998 के चुनाव में भुगतना पड़ा. इसके बाद से बीजेपी दिल्ली की सियासत में अपना कोई ऐसा नेता खड़ी नहीं कर सकी, जो शीला दीक्षित और अरविंद केजरीवाल के सामने चुनौती पेश कर सके.

1998 के चुनाव में कांग्रेस को जीत दिलाने वाली शीला दीक्षित 15 साल तक दिल्ली की मुख्यमंत्री रहीं. शीला दीक्षित ने खुद को कांग्रेस पार्टी के सामनांतर खड़ा किया था. दिल्ली में उन्होंने विकास का अपना एक मॉडल बनाया, जिसके दम पर वो 1998 से 2013 तक एकक्षत्र राज करती रहीं. बीजेपी इन 15 सालों तक कांग्रेस को चुनौती नहीं दे सकी और न ही कभी भी शीला के कद का कोई अन्य नेता उनके सामने खड़ा नहीं कर पाई. इसके बाद 2013 में अन्ना आंदोलन से निकले अरविंद केजरीवाल ने पहली बाजी जीतने के बाद ऐसा खूंटा गाड़ा कि उसे बीजेपी नहीं उखाड़ सकी. केजरीवाल के सामने बीजेपी ने कई प्रयोग किए, लेकिन चुनौती नहीं खड़ी कर सकी.

केंद्र की सत्ता पर काबिज रहने वाली पार्टी दिल्ली की सियासत को वैसे ही डील करती है. कांग्रेस और बीजेपी अपने किसी भी नेता को दिल्ली में बहुत ज्यादा स्पेस नहीं देती. दिल्ली में किसी खास नेता को स्पेस देने का मतलब है उसकी राजनीतिक हैसियत को बढ़ाना और कोई भी राष्ट्रीय पार्टी ऐसा करना नहीं चाहती. पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित ने भी खुद को पार्टी के अंदर स्थापित किया था. उन्हें पार्टी की तरफ से कोई बढ़ावा नहीं मिला. ठीक उसी तरह बीजेपी भी दिल्ली के नेताओं को बहुत ज्यादा अहमियत नहीं देती. यही वजह है कि वो केजरीवाल के सामने कोई मजबूत चेहरा नहीं उतार सकी.

कार से स्टंट कर रहे युवकों का वीडियो वायरल

नोएडा,

फॉर्च्यूनर गाड़ी से स्टंट कर रहे युवकों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। यातायात पुलिस ने वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर मोटर व्हीकल ऐक्ट के तहत 33 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया। स्टंट करने वाले युवकों की भी पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। वीडियो नोएडा के सेक्टर-126 का बताया जा रहा है। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल 28 सेकेंड के वीडियो में एक युवक गाड़ी की बोनट पर बैठा है, जबकि बाकी दो युवक गाड़ी की खिड़कियों से लटककर रील बना रहे हैं। कार की सभी लाइटें जल रही हैं। कार के अंदर बैठा चालक वाहन को सड़क पर गोल-गोल घुमा रहा है। फॉर्च्यूनर गाड़ी पर सत्तारूढ़ पार्टी का झंडा भी लगा है। जब युवक फॉर्च्यूनर कार पर स्टंट कर रहे थे तो किसी ने इसका वीडियो बना लिया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि वीडियो बनाने वाला व्यक्ति वीडियो में दिख रहे युवकों का दोस्त है।

पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद के समस्त बैंक के शाखा प्रबंधकों के साथ की गयी समन्वय बैठक

नवयुग समाचार

बहराइच। दिनांक 02.01.2025 को पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस कार्यालय बहराइच में जनपद स्तर पर बैंकों के शाखा प्रबंधकों की समन्वय बैठक आयोजित की गयी जिसमें बैंकों में आ रही विभिन्न प्रकार की समस्याओं व उनके निराकरण के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा शाखा प्रबन्धकों को बताया गया कि सभी बैंकों में एक नोडल अधिकारी नियुक्त करें जो साईबर अपराध/ठगी को रोकने व साइबर ठगी के शिकार हुये पीड़ितों को अविलम्ब सहयोग पहुचाने में मदद करेंगे। साथ ही बैंकों व एटीएम पर अच्छी गुणवत्ता के सीसीटीवी कैमरे लगाये जायें जिसमें फोटो व आवाज उच्च गुणवत्ता की हो। बैंकों की सुरक्षा में लगे कर्मचारी/गार्ड बैंक में प्रवेश करने वाले व्यक्तियों की सघन चेकिग करें, संदिग्ध व्यक्ति मिलने व पता लगने पर तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दें। महोदय द्वारा बताया गया कि यह बैठक प्रत्येक माह आयोजित की जायेगी जिसमें जनपद के समस्त बैंक के शाखा प्रबंधक प्रतिभाग करेंगे। इसके अतिरिक्त मीटिंग में बताया गया कि साइबर फ्रॉड के पोस्टर बैंको में एवं बैंक के बाहर लगाए जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग इसे समझें एवं जागरुक हो सकें। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक नगर श्री रामानन्द कुशवाहा, क्षेत्राधिकारी कैसरगंज श्री रवि खोखर, जनपद के समस्त बैंक के शाखा प्रबन्धक व अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

आगामी 7जनवरी को होगा सप्तदश ग्रामर्षि महोत्सव 2025

कैलाश नाथ तिवारी ब्यूरोरिपोर्ट/ नवयुग समाचार

अयोध्या/अम्बेडकरनगर। वीरसिंहपुर, सरैयासया जनपद अम्बेडकरनगर उ.प्र के ग्रामर्षि पं. रामकुमार पाण्डेय ग्रामोदय आश्रम स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी आगामी 7जनवरी को सप्तदश ग्रामर्षि महोत्सव 2025 का भव्य कार्यक्रम आयोजित होगा।

उक्त आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधान सभा के पूर्व अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित विशिष्ट अतिथि डीएम अविनाश सिंह उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम, विधायक धर्मराज निषाद उपनिदेशक समाज कल्याण सिद्धार्थ मिश्र, डीआईओएस गिरीश कुमार सिंह, मुख्य महाप्रबंधक एनटीपीसी जय देव परिंदा, महाप्रबंधक रजनीश खेतान, अकबरपुर चीनी मिल महाप्रबंधक रमेश कुमार वर्मा, अल्ट्राटेक सीमेंट के मुख्य महाप्रबंधक नागेश उपाध्याय जी के मौजूदगी के साथ ही अन्य गणमान्य व सम्मानित जनता की उपस्थिति भी होगी। अध्यक्षता डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या की कुलपति प्रोफेसर प्रतिभा गोयल जी व संरक्षक डॉ. सत्येंद्र नाथ त्रिपाठी जी करेंगे।

अलीगंज में नवीन लेखपाल संघ सभागार कक्ष का हुआ उद्घघाटन

दिलीप सिंह नवयुग समाचार

अलीगंज. अलीगंज में लेखपाल संघ सभागार कक्ष का उद्घघाटन शनिवार को एडीएम सत्य प्रकाश सिंह ने किया सभागार कक्ष में इस बार सभी के बैठने के लिए अलग अलग व्यवस्था की गयी है . सभी सुविधाएं पूर्ण है तहसीलदार संदीप सिंह ने बताया कि लेखपाल सभागार कक्ष का खर्च लगभग 5लाख रुपए हुए है इसमें सभी लेखपालों का विशेष सहयोग है. इस मोके पर उपजिलाधिकारी अलीगंज जगमोहन गुप्ता तहसीलदार संदीप सिंह क्षेत्राधिकारी अलीगंज सुधाशु शेखर जलज यादव जिला महामंत्री शिववीर सिंह यादव अध्यक्ष विनोद यादव राजकपूर जय नरेश वदन सिंह सहित समस्त लेखपाल व अन्य कर्मी मौजूद रहे.

दवाइयां चोरी कराने वाला आरोपी गिरफ्तार

नोएडा, सेक्टर-63 पुलिस ने कंपनी में जीडीए के पद पर रहते हुए करीब दो लाख रुपये की दवाई चोरी कराने के आरोप में कर्मचारी को गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर 60 हजार रुपये से अधिक की दवाई बरामद की गई। पुलिस अब कंपनी में चोरी करने वाले मुख्य आरोपी को खोज रही है। एसीपी राजीव कुमार गुप्ता ने बताया कि अभिषेक जैन ने 11 दिसंबर 2024 को मुकदमा दर्ज कराया था। उन्होंने बताया था कि वह सिग्नस मेडिकेयर प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी में बिजनेस हेड हैं। उनकी कंपनी का सेक्टर-63 के ए ब्लॉक स्थित भूतल पर फामेर्सी का गोदाम है। 17 नवंबर को कंपनी द्वारा वेयर हाउस में रखे माल का रूटीन ऑडिट हुआ। पूरे स्टॉक की जांच करने पर गायब हुई दवाइयों के बारे में जानकारी हुई। जांच के दौरान पता चला कि वेयर हाउस में लगभग दो लाख रुपये कीमत की दवाएं कम हैं

दवंग लोगों की दवगई से पीड़ित परेशान नहीं बनने दें रहे घर .. पीड़ितो ने सुनई अपनी व्यथा सीओ से.. दिया न्याय का भरोसा

दिलीप सिंह नवयुग समाचार

अलीगंज. अलीगंज के थाना जसरथपुर के एक गांव में दवंग लोग पीड़ित का घर बनने नहीं दें रहे है वही थाना जसरथपुर पुलिस ने कार्यवाही न करके उल्टी शिकायत करने बाले पर कार्यवाही कर डाली जब किसी ने उन लोगों की व्यथा नहीं सुनी तो कुछ लोग शनिवार को क्षेत्राधिकारी अलीगंज से मिले और उन्हें एक प्रार्थना पत्र दिया वताया गया कि थाना जसरथपुर के ग्राम परधना पुर निवासी हम प्रार्थी गणों के पुराने कच्चे मकान काफी पुराने हैं प्रार्थी गणों के के जाने की रास्ता ढाई फीट की थी पुराने मकान गिर गए जो अपनी जगह पर बनाये हुए थे मेरे ही गांव के निवासी आशीष पुत्र चोखेलाल जो अपनी दबंगई के चलते हम लोगों की जगह को कब्जा करना चाहते हैं दबंगई के चलते वह लोग हम लोगों की रास्ता से 10 फीट जगह मांग रहे हैं

इस मामले को लेकर जब हम प्रार्थीगढ़ थाना जसरथपुर गए पुलिस ने दबंग पर कार्रवाई न करके हम लोगों के ऊपर कार्रवाई कर दी पीड़ित पक्ष का कहना है स्थानीय दशरथपुर पुलिस विरोधी पार्टी की बात मानती है. जब पीड़ित को न्याय नहीं मिला तो प्रार्थी गढ़ अलीगंज क्षेत्राधिकारी सुधांशु शेखर से मिले प्रार्थना पत्र दिया और सारी जानकारी दी पूरी बात सुनकर सीओ ने पीड़ित पक्ष व प्रार्थी गढ़ को आश्वासन दिया कि जल्द ही आप लोगों को न्याय दिलवाएंगे.

महाकुंभ का आमंत्रण लेकर बहराइच आई यात्रा,हुआ भव्य स्वागत

सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कालेज के प्राचार्य रवि कुमार शुक्ल ने कुंभ के जल पर पुष्प अर्पित कर स्वागत किया।

नवयुग समाचार

रामगांव-बहराइच, आज महाकुम्भ की यात्रा शनिवार के दिन जनपद श्रावस्ती को पार करते हुए विशेश्वरगंज,पयागपुर,खुटेहना, चिलवरिया होते हुए नगर पालिका परिषद बहराइच पहुचीं,जहां पर सांसद बहराइच आनंद कुमार गौड़,विधान परिषद सदस्य श्रीमती प्रज्ञा त्रिपाठी, सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कालेज के प्राचार्य रवि कुमार शुक्ल,व्यवस्था प्रमुख अनूप कुमार गुप्ता,आचार्या लक्ष्मी पांडेय,व छात्राओं में प्राची शुक्ला,अनामिका कश्यप,प्रज्ञा शुक्ला, रितु झा,इति पांडेय,माही सिंह,आँचल चक्रवर्ती,निधि सिंह,सौम्या श्रीवास्तव,बाबी यादव के द्वारा महा कुम्भ की यात्रा करते हुए मां वीणा वादनी की सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर महाकुम्भ में आये हुए सभी अतिथियों का मन मोह लिया।सभी ने महाकुम्भ के जल पर पुष्प वर्षा कर अपनी आस्था जताई, सभी जाति धर्म के लोगो ने यात्रा में भाग लेकर सामाजिक समरसता का संदेश दिया,डी एम चौराहा,के डी सी,टिकोरा मोड़,मरौचा, फखरपुर,गजाधारपुर, कुंडासर, कैसरगंज, जरवल आदि स्थानों पर सम्भ्रांतजनो, जनप्रतिनिधियो, अधिवक्ताओ, शिक्षको, समाजसेवियों,व्यापारियों, ने बढ़ चढ़कर महाकुम्भ यात्रा का स्वागत सत्कार किया। सन्दर्भदाता राजेश कुमार मिश्र(अफ्ढ) ने हर जाति धर्म के लोगो का इस महाकुम्भ यात्रा में सम्मित होने के लिए हर्ष व्यक्त किया।इसके बाद महाकुम्भ की यात्रा ने महाराजा सुहेलदेव की धरती बहराइच से होते हुए यह कुम्भ यात्रा प्रयागराज में 18 जनवरी से 26 फरवरी के मध्य होने वाले महा कुम्भ में पहुचने के लिए रवाना हो गई।यह महाकुम्भ जल यात्रा आम जन मानस को आमंत्रण देने के साथ साथ लोगो को महा कुम्भ में जाने के लिए प्रेरित करने वाली रहीं।इसकी जानकारी उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के मीडिया प्रभारी सुरेश कुमार यादव ने दीं।

एक नजर

सेना का ट्रक खाई में गिरने से शिवराजपुर का एक जवान हो गया शहीद

शिवकुमार/नवयुग समाचार

शिवराजपुरः जम्मू कश्मीर के बांदीपोरा जिले में बड़ा हादसा हो गया सेना से भरा हुआ ट्रक एक खाई में जा गिरा। खाई में गिरने से छह लोग घायल हो गए वा चार सैनिकों मौके पे ही शहीद हो गए जिसमे में एक जवान कानपुर नगर के शिवराजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत दुर्गा पुर गांव निवासी पवन यादव पुत्र सत्येंद्र सिंह यादव भी हादसे में शहीद हो गए है। घटना की खबर मिलते ही परिजनों में चीख पुकार मच गई गांव में हड़कम मच गया। जबकि कई अन्य घायल हो गए है घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है मौके पे राहत एवं बचाव कार्य चल रहा है जानकारी के अनुसार जम्मू कश्मीर के बांदीपोरा में शनिवार दोपहर यह हादसा हुआ। बताया जा रहा है की फिसलन के कारण सेना का एक ट्रक पहाड़ी से नीचे खाई में गिर गया इस हादसे में चार जवान शहीद हो गए जबकि छह घायल हो गए है यह दुर्घटना बांदीपोरा के सिरी इलाके में हुई जहां सेना का ट्रक फिसलन के कारण खाई में जा गिरा हादसे में स्थानीय पुलिस और सेना के अन्य जवान राहत कार्य में जुट गए इस घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

ग्रामीणों ने प्रधान प्रतिनिधि पर गंभीर आरोप लगाए

मोहम्मद इरफान खान/नवयुग समाचार

उन्नावः बांगरमऊ तहसील के अम्मीरपुर गंभीरपुर गांव में सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान ग्रामीणों ने प्रधान प्रतिनिधि आशीष पर गंभीर आरोप लगाए। ग्रामीणों का कहना है कि प्रधान प्रतिनिधि ने खेल के मैदान, स्कूल और उपस्वास्थ्य केंद्र से अवैध रूप से मिट्टी खनन करवाया और उसे बेच दिया। पोकलेन और खउइ से 10 से 12 फीट तक खुदाई करवाई गई, जिससे बच्चों और मवेशियों को खतरा हो सकता है। ग्रामीणों ने डीएम को शिकायती प्रार्थना पत्र दिया और प्रधान प्रतिनिधि पर अवैध खनन का आरोप लगाया। खनन करने वाले नहीं दिखाते कोई भी परमिशन मना करने पर करने लगते हैं दूसरी जगह खनन।

कानपुर में भी हो रही चार बेटियों के साथ पत्नी के हत्यारे बदर की तलाश ,कई जगह छापे

आगरा के बदर मोहम्मद ने बेटे के साथ मिलकर लखनऊ के होटल में की थी चार बेटियों और पत्नी की हत्या

नवयुग समाचार संवाददाता

कानपुर। मूल रूप से आगरा के रहने वाले बदर की यहां कानपुर में भी तलाश की जा रही है। उसकी गिरफ्तारी के लिए यहां कई ठिकानों पर लखनऊ पुलिस ने भी छापे मारे हैं।

बदर मोहम्मद ने बेटे के साथ मिलकर अपनी चार बेटियों और पत्नी की लखनऊ की एक होटल में हत्या कर दी थी। इसके बाद उसके बेटे को गिरफ्तार कर लिया गया था लेकिन बदर अभी तक फरार है ,जिसके कानपुर में मौजूद होने की सूचना पर लखनऊ पुलिस ने कई जगह छापे मारे हैं लेकिन सफलता नहीं मिलने पर यहां उसकी तलाश लगातार जारी है।

लखनऊ के चारबाग स्थित शरणजीत होटल में हुए इस बहुचर्चित हत्याकांड की वजह पड़ोसियों द्वारा आरोपी के परिवार का उत्पीड़न करना और उसमें पुलिस द्वारा सहयोग न किए जाने जैसे आरोपों से जुड़ी हुई है। इस बीच पुलिस सूत्रों ने दावा किया है कि फरार चल रहे। बदर के पकड़े जाने के बाद ही घटना के राज खुलेंगे। क्योंकि अरशद के साथ मिलकर उसने हत्या की है। दोनों के बयान को क्रॉस वैरीफाई कर हत्या का असली मकसद पता लगाया जाएगा। याद रहे कि आगरा में कुबेरपुर के इस्लामनगर स्थित तेहड़ी बगिया निवासी अरशद की मां अशमां, बहन अल्शिया (19), रहमीन (18), अक्सा (16) और आलिया (9) का एक जनवरी को चारबाग स्थित होटल शरणजीत में शव मिले थे। वह लोग होटल के कमरा नंबर-109 में रुके थे। 31 दिसंबर की रात अरशद ने पिता बदर के साथ सभी की हत्या की थी। बदर ने खुद चौकी पहुंच पुलिस को सूचना दी थी। वहीं बदर बेटे की मदद से भाग निकला था। जिसके कानपुर में मौजूद होने की सूचना पर। बस स्टॉप के साथ रेलवे स्टेशन के आसपास तलाश की गई। एक टीम आगरा और अजमेर में उसका पता लगा रही है। जबकि शवों के साथ एक टीम संभल गई है। दूसरी तरफ पुलिस ने घटना स्थल पर मिले तीनों फोन की सीडीआर पर काम कर रही है। पुलिस का दावा है कि आरोपी बदर को जल्द ही गिरफ्तार कर घटना की सही वजह का खुलासा किया जाएगा।

नगरपालिका परिषद की बड़ी लापरवाही सामने आई

मोहम्मद इरफान खान/नवयुग समाचार

उन्नाव। बांगरमऊ में भीषण ठंठ और शीतलहर के चलते नगर पालिका परिषद की अलाव व्यवस्था डगमगाई।

नगर में चिन्हित दर्जनों स्थानों पर आज नही जल रहे आलाव। शीत लहर और भीषण ठंड से ठिठुर रहे राहगीर और नगर में आने जाने वाले लोग। सरकारी अस्पताल में भी भीषण ठंड और शीत लहर से ठिठुर रहे दूर दूर से आये मरीज और उनके तीमारदार। नगर में अलाव न जलने से नगरपालिका प्रसाशन के खिलाफ नगरवासियों में नाराजगी। बांगरमऊ नगर पालिका परिषद नगर का मामला।

मिट्टी धंसने से दो मजदूर दब गए जिसमें एक मजदूर की मौत

मोहम्मद इरफान खान/नवयुग समाचार

उन्नावः अजगैन क्षेत्र के नवाबगंज स्थित चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के निर्माण स्थल पर एक दर्दनाक हादसा हुआ। यहां मिट्टी धंसने से दो मजदूर दब गए, जिसमें एक मजदूर की मौत हो गई। दोनों मजदूर 6 फीट गहरे गड्ढे में काम कर रहे थे। अचानक गड्ढे के ऊपरी हिस्से की मिट्टी धंस गई और एक मजदूर अशोक की दबकर मौत हो गई, जबकि दूसरा मजदूर किसी तरह सुरक्षित रहा मृतक अशोक के शव को अजगैन पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर पहुंच कर पंचायतनामा की कार्यवाही कर पोस्टमार्टम हेतु भेजा !

इस कलिकाल के भयावह वातावरण को दूर करने में माता भगवती आदिशक्ति महिषमर्दिनी की भक्ति स्तुति आराधना ही सहायक

भगवती मानव कल्याण संगठन विश्व का मात्र एक ऐसा आध्यात्मिक संगठन जो अधिक से अधिक समाज में आध्यात्मिक अनुष्ठान कराकर निर्मित कर रहा आध्यात्मिकता से परिपूर्ण वातावरण

कैलाश नाथ तिवारी/नवयुग समाचार

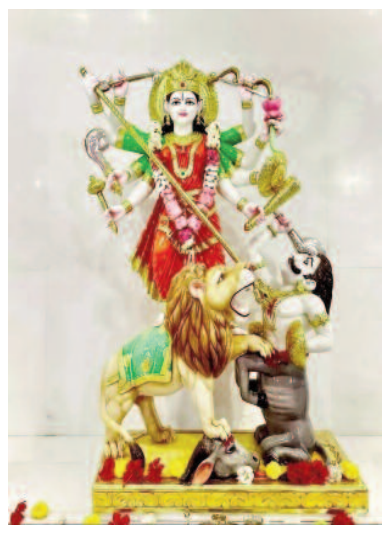

अयोध्या/अम्बेडकरनगर। भगवती मानव कल्याण संगठन के संस्थापक व संचालक धर्मसम्राट परमहंस योगीराज श्रीशक्तिपुत्र जी सद्गुरुदेव महाराज ने अपने लाइव प्रसारण में कहा हमारे भगवती मानव कल्याण संगठन स्वयंसेवी कार्यकर्ता अपने-अपने घरों में भी और सार्वजनिक तौर पर दुर्गा चालीसा के पांच - पांच घंटे, 24 - 24 घंटे के अनुष्ठान, आरतियों के अनुष्ठान करके पूरे देश के वातावरण को मॉमय बनाने का प्रयास करते हैं। यह देश का एकमात्र ऐसा आध्यात्मिक संगठन है जिसका आंकलन करके देखा जाए समाज के बीच जितने अधिक से अधिक स्थानों में आध्यात्मिक कार्यक्रम सम्पन्न कराए जाते है आज विश्व के अंदर दूसरा ऐसा कोई संगठन नहीं है जिसमें इतने अधिक आध्यात्मिक वातावरण एक दिन के अंदर चार-चार, 5, 5 हजार से अधिक स्थानों पर पूरे देश के अंदर अनुष्ठानों को और इस प्रकार संपन्न कराया जाए जिसमें स्वयं आध्यात्मिक जीवन जीते हैं और समाज के लोगों को आध्यात्मिक वातावरण में जीवन जीने के लिए प्रेरित करते हैं। चूँकि यह युग माता भगवती आदिशक्ति जगत जननी जगदंबा का युग है आध्यात्मिकता से भरा हुआ है युग है इस कलिकाल के वातावरण में भयावह वातावरण में ऋषियों मुनियों के पूर्व की वाणियों को उठाकर के देखा जाए इसका अध्ययन करके देखा जाए कलिकाल में केवल माता भगवती आदिशक्ति जगत जननी जगदंबा महिषमर्दिनी की आराधना से सुख शांति और समृद्धि की प्राप्ति हो सकती है।

आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे पर एक परिवार की कार अनियंत्रित होकर सुरक्षा बेरीकेटिंग तोड़ती हुई खाई में जाकर पलट गई

मोहम्मद इरफान खान/नवयुग समाचार

उन्नाव। बांगरमऊ क्षेत्र में आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे पर एक परिवार की कार अनियंत्रित होकर सुरक्षा बेरीकेटिंग तोड़ती हुई खाई में जाकर पलट गई इस हादसे में सवार लोग घायल हो गए घटना के बाद यूपीडा टीम द्वारा रेस्क्यू कर घायलों का इलाज कराया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार पारिवारिक सदस्यों को लेकर एक कार चालक गाजियाबाद से पटना जा रहा था तभी शनिवार दोपहर बाद डेढ़ बजे बांगरमऊ क्षेत्र में गांव देवखरी के निकट अचानक कार असंतुलित होकर किनारे लगे एल्यूमिनियम गार्ड को तोड़कर खाई में जाकर पलट गई इस हादसे में कार सवार पूनम 30 वर्ष पत्नी संजीतचंद प्रकाश निवासी न्यू मेनपुरा प्रगति नगर सबनम रोड पटना व परिवार की ही डिंपल वर्मा पत्नी रविंद कुमार दोनो महिलाएं घायल हो गई जिन्हें बांगरमऊ अस्पताल से रेफर कर दिया गया जबकि कार सवार अन्य में वैष्णवी पुत्र संजीत 8 वर्ष, दिव्यांश पुत्र रवेंद्र कुमार 10 वर्ष,सहजल पुत्री संजीत चंद 12 वर्ष, अमित चंद पुत्र विश्वनाथ व हिमांशु पुत्र रविन्द्र इन लोगों को मामूली चोट आई है।घटना की सूचना पर यूपीडा टीम ने रेस्क्यू कर कार को सुरक्षित स्थान पर खड़ी करवाया।

विवाहित टीम ने अविवाहित टीम को दी शिकस्त

नवयुग समाचार संवाददाता

चौबेपुर में हुए विवाहित व अविवाहित टीम के बीच हुए मैच में विवाहित टीम ने विजय प्राप्त की। शनिवार को चौबेपुर स्थित हनुमान मंदिर मैदान में नवनीत तिवारी द्वारा नौवे गौ माता टी20 क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया जिसमे मुख्य अतिथि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेश राइस मिलर्स एसोसिएशन विनय शुक्ला व ब्लाक प्रमुख चौबेपुर राजेश शुक्ला ने ग्राउंड में उतर कर विवाहित व अविवाहित मैच का शुभारंभ किया जिसके बाद दोनो टीमों के बीच टॉस किया गया जिसमे विवाहित टीम ने टॉस जीता और कप्तान दाऊ जी पाण्डेय ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लेते हुए अविवाहित टीम को 251 रन का लक्ष्य दिया वही अपने लक्ष्य का पीछा करते हुए अविवाहित टीम 249 रन पर सिमट गई जिसमे बाद आशुतोष तिवारी को मैन ऑफ दा मैच चुना गया जिसमे संयोजक जय प्रकाश दीक्षित,प्रायोजक अनुज त्रिपाठी,गुड्डू,शिवम पाण्डेय,धर्मेंद्र तिवारी,कल्लू यादव,राजकुमार प्रधान, बउआ पांडेय प्रधान,अर्पित त्रिवेदी,संतोष यादव,आशुतोष दीक्षित,ब्रजेश पाण्डेय,सत्यम सिंह,किशन यादव,विनय चतुर्वेदी,अनुराग मिश्रा,रत्नम शुक्ला, धनंजय त्रिपाठी आदि लोग उपस्थित रहे।

50 लाख रुपये कीमत का 01 कुंटल 12 किलो गांजा बरामद कर 06 अंतर्राज्यीय तस्करों को किया गया गिरफ्तार

रिपोर्ट मोहम्मद इरफान खान

उन्नाव।पुलिस अधीक्षक जनपद उन्नाव के कुशल निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी एवं क्षेत्राधिकारी बीघापुर के कुशल पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना अचलगंज पुलिस, एसओजी व सर्विलांस की संयुक्त टीम द्वारा 06 अंतर्राज्यीय गांजा तस्करों को 01 कुंटल 12 किलो गांजा बरामद कर गिरफ्तार किया गया।

आज दिनांक 04.01.2025 को प्रभारी निरीक्षक अचलगंज व एसओजी व सर्विलांस की संयुक्त टीम द्वारा चपरी शाहपुर स्थित बन्द पड़े फैक्ट्री के पास से अंर्तराज्यीय 06 गांजा तस्करों को 1. जितेन्द्र पुत्र छुन्नू कंजड निवासी चकलवंशी सरकारी स्कूल के पीछे थाना माखी जनपद उन्नाव उम्र 22 वर्ष 2. आयुष तिवारी पुत्र स्वर्गीय दिनेश चन्द्र तिवारी निवासी ग्राम कांथा थाना असोहा जनपद उन्नाव उम्र 23 वर्ष 3.अभिषेक तिवारी पुत्र रामखेलावन निवासी ग्राम शिवपुर कुर्मियान थाना अचलगंज जनपद उन्नाव उम्र 24 वर्ष 4. सोनू पुत्र इन्द्रपाल कंजड निवासी माखी मोहल्ला सराय थाना माखी जनपद उन्नाव उम्र 30 वर्ष 5.उमेश कुमार उर्फ लाली पुत्र लालू लोधी निवासी ग्राम जरगांव थाना अचलगंज जनपद उन्नाव उम्र 23 वर्ष 6.सुशील कुमार उर्फ बड़कऊ पुत्र बच्चू लोधी निवासी ग्राम मझखोरीया थाना पुरवा जनपद उन्नाव उम्र 36 वर्ष को कब्जे से 01 कुन्तल 12 किलोग्राम अवैध गांजा व एक अदद मो0सा0 अपाचे व 06 अदद मोबाइल व 5500/- नगद रुपए बरामद कर गिरफ्तार किया गया । इस सम्बन्ध में थाना अचलगंज पर मु0अ0सं0 02/2025 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत किया गया ।

बांगरमऊ तहसील में डीएम गौरांग राठी और एसपी दीपक भूकर की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

मोहम्मद इरफान खान/नवयुग समाचार

उन्नावः बांगरमऊ तहसील में डीएम गौरांग राठी और एसपी दीपक भूकर की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें नगर पालिका के सभासदों इसरार,सलमान,शिवदेवी,राहुल शुक्ला,गीतारानी आदि ने सामूहिक रूप से पत्र देकर बताया है कि नगर पालिका गंगाघाट के अधिशाषी अधिकारी मुकेश मिश्रा को बांगरमऊ नगर पालिका ने संबद्ध किया गया है लेकिन ईओ पालिका कार्यालय आते ही नहीं हैं जिस कारण जन्म,मृत्यु प्रमाण पत्र,दुकान व मकानों के मानचित्र व खराब हैंडपंप की मरम्मत आदि आवश्यक कार्य नहीं हो पा रहे है जिससे काफी समस्या का सामना करना पड़ता है। आरोप है की फोन मिलाने पर ईओ का फोन भी नहीं उठता है सभासदों ने पालिका में स्थाई रूप से ईओ की तैनाती अथवा संबद्ध ईओ को सप्ताह में तीन दिन पालिका कार्यालय में आने की मांग की है। डीएम ने सभासदों की समस्या को जल्द निस्तारित किए जाने का आश्वासन दिया है। इसी क्रम में नौनिहालगंज निवासी बाबूलाल ने शिकायत कर बताया है कि उसकी जमीन पंचू गांव में है। दो दिन पहले वह जमीन में घास की सफाई कर रहा था। तभी विपक्षी लाठी डंडे लेकर आ गए और गाली गलौज करने लगे व उसकी जमीन को अपनी जमीन बताने लगे। जबकि पूर्व में जमीन की पैमाईश हो चुकी है। कहा की उसके पास आत्महत्या के अलावा कोई विकल्प नहीं है। पीड़ित ने शिकायत कर कार्यवाही की मांग की है।समाधान दिवस में मुहल्ला कटरा निवासी गीता ,निर्मला, पुष्पा आदि महिलाओं ने तीसरी बार पत्र देकर बताया है कि इंदिरा गांधी महाविद्यालय के पास मुहल्ला कटरा में लगभग 15 परिवार रहते है लेकिन आज तक न ही वहां बिजली पहुंच सकी है और न ही खड़ंजे व नाली का निर्माण हो सका है। महिलाओं ने बिजली व नाली बनवाए जाने की मांग की है। इसी क्रम में ग्राम पंचायत अमीरपुर गंभीरपुर निवासी ज्ञानेंद्र, कमलेश, मोहनलाल,विजय,धीरेंद्र ,सुनीता समेत लगभग एक दर्जन ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान व प्रतिनिधि पर ग्राम सभा की जमीन बेचने का आरोप लगाया है। बताया की मिट्टी खोदने से वहां 10 से 15 फिट गहरा तलाब जैसा बनता जा रहा है। जिससे बच्चों,ग्रामीणों व जानवरों को खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों ने मामले की जांच कराकर कार्यवाही की मांग की है। इस अवसर पर वर्तमान फसली वर्ष (2024-25)में ऑनलाइन पड़ताल (खरीफ,रबी,जायद) की फीडिंग का कार्य लेखपालों के द्वारा शत प्रतिशत पूर्ण करने पर लेखपाल तहसील अध्यक्ष नन्दलाल को एवं आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों के द्वारा अच्छा कार्य करने पर उनको प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। तहसील में मौजूद गरीब, वृद्ध जनों को विधायक, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक ने कम्बल वितरित किए।

कुर्की के डर से बीस आरोपितों ने कोर्ट मे सरेंडर किया

नवयुग समाचार संवाददाता

उन्नावः बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के मऊ गांव में वर्चस्व की जंग को लेकर की गई तोड़फोड़ व मारपीट तथा जानमाल की धमकी देने के मामले में केस दर्ज कर पुलिस कार्रवाई में जुटी हुई है। बीते दिनों आरोपितों के घर नोटिस चस्पा कर पुलिस ने कुर्की का फरमान जारी किया गया था। जिसकी दहशत के चलते गुरुवार तक बीस आरोपितों ने कोर्ट के समक्ष उपस्थित होकर सरेंडर कर दिया गया है। छह आरोपित अभी भी फरार चल रहे हैं। बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के मऊ गांव में वर्चस्व को लेकर गांव में घुसकर तोड़फोड़, मारपीट, जानमाल की धमकी देने के मामले में पुलिस करीब 44 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई में जुटी हुई है। गुरुवार तक बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के मऊ गांव के रहने वाले नूर आलम, अब्दुल वहीद, अरसलान, महबूब, कैश, मोतसीन, तौहीद खान, मोहम्मद जाफर, आजाद, तौहीद, नदीम, फरमान अली, आकिब खान, इरफान अली, सुऐब अली, आवेश, इमरान अली पुत्र इरफान, शकीम पुत्र सिराज, फैजान उर्फ मोनू पुत्र शहनवाज उर्फ भल्लू व वली पुत्र रियासत उक्त 20 लोगों ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया है।

बाबानिहाल दास की कुटिया मे आने-जाने के लिए नही हो पा रहा सड़क का निर्माण

कैलाश नाथ तिवारी/नवयुग समाचार

अम्बेडकरनगर। विधानसभा क्षेत्र कटेहरी प्रतापपुर इमलिया में स्थित बाबा निहालदास की सैकड़ों वर्ष पुरानी अलौकिक आध्यात्मिक ऊर्जा का केन्द्र दिव्य कुटिया में नही बन पा रहा आने जाने का मार्ग, जहां नित्य प्रति सैकड़ों भक्तजन जाकर अपने अपने मानसिक तनावों व भौतिकता के झंझावातों से उलझे हुए आथ्यात्मिक अलौकिक ऊर्जा शक्ति की अनुभूति पाकर आत्मिक सुख शान्ति का अहसास करते है अपनी समस्याओं, संकटों से मुक्ति पाते है, प्राप्त जानकारी के अनुसार लम्बे समय से यहाँ आने जाने के लिए सड़क निर्माण कार्य नही हो पा रहा स्थानीय जिम्मेदार लोग चाहे शासन में हो या प्रशासन में बार बार ध्यान दिलाए जाने के बावजूद इन समस्याओ पर कोई सुनवाई नही करते असंवेदनशील है, अन्जान बनकर बैठे हुए है।

आकांक्षा की घातक गेंदबाजी से लखनऊ फाइनल में पहुंची

संजय त्रिपाठी/नवयुग समाचार

बिल्हौरः स्पोर्ट्स क्लब बिल्हौर द्वारा आयोजित मुन्नी देवी शुक्ला की स्मृति में राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतर्गत महिला वर्ग के अंतिम सेमीफाइनल मैच में लखनऊ ने डीके क्लब फतेहगढ़ को 8 विकेट से पराजित का प्रतियोगिता के फाइनल में प्रवेश किया। प्रथम टॉस जीत का डीके क्लब ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 73 रन बनाए उनकी ओर से तनु ने 27, प्रिया ने 13, हर्षिता ने 13 रन बनाए गेंदबाजी में आकांक्षा ने 18 रन देकर चार विकेट प्राप्त किए छाया ने 26 पर दो सरिता ने 10 पर एक जवाब में लखनऊ की टीम ने 8 ओवर में दो विकेट पर 75 रन बनाकर शानदार बल्लेबाजी की भूमिका निभाते हुए लखनऊ की ओर से मीनू यादव ने 24 रन रिया ने सौम्या ने 24 अभिजीत व शिवांगी ने 10 रन बना कर लखनऊ को 8 विकेट से विजय प्राप्त करा के टूर्नामेंट के फाइनल मैच में प्रवेश कर लिया। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार स्पोर्ट्स क्लब के महामंत्री आरके शर्मा ने लखनऊ कि अकांक्षा को ट्रॉफी व नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर अनिल डॉक्टर, अजय, तरुण, गौरव शर्मा अंपायर रफीकुल हुसैन किशोर राजपूत स्कोर मोहम्मद अआफाक इत्यादि लोग मौजूद रहे। कल का प्रोग्राम दयाल दास लोहिया ट्रैफी पुरुष वर्ग एवं महिला वर्ग की स्वर्गीय मुन्नी देवी शुक्ला की स्मृति में प्रतियोगिता का फाइनल मैच खेला जाएगा। दोपहर 2:00 बजे से मेधावी छात्र-छात्राओं एवं खिलाड़ियों वरिष्ठ जनों पत्रकारों व समाजसेवियों का सम्मान समारोह भी होगा। इसमें पुरस्कार वितरण व प्रतियोगिता में प्रतिस्पर्धा कर रही महिला व पुरुष की विजेता टीमों को ट्रॉफी पुरस्कार इत्यादि प्रमाण पत्र दिए जाएंगे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संचालक मनीष कुमार सिंह द्वारा शोभित आफसेट के-450 इंदलोक कॉलोनी, पोस्ट मानसनगर, लखनऊ - 226023 उ.प्र. से मुद्रित कराकर मुबेरिया, महसी, रमगांव, बहराइच से प्रकाशित। आरएनआई/टाइटल कोड-UPHIN49594
संपादक-मनीष कुमार सिंह मो.- +91 9984176988 ई-मेल- navyugsamacharindia@gmail.com उप संपादक-मो. इज़हार वारसी, मो. +91 7081640677, प्रबंध संपादक-संजय कुमार त्रिपाठी, मो.- +91 9044973372, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र बहराइच, उ.प्र. होगा।